

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन

प्रलिस के लयि:

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन, सागर वजिन, क्वाड गुरुपगि, दक्षणि एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (सारक) ।

मेन्स के लयि:

हदि महासागर क्षेत्र, सागर: क्षेत्र, भारत और उसके पड़ोस में सभी के लयि सुरक्षा और वकिस ।

चर्चा में क्यो?

हाल ही में भारत की राष्ट्रीय जाँच एजेंसी द्वारा [कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन \(Colombo Security Conclave- CSC\)](#) का वरचुअल आयोजन कयि गया था ।

- प्रतभागियों ने अपने-अपने देशों में आतंकवाद से संबंधित विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा की और [आतंकवाद](#) के मामलों के अभियोजन, वदिशी लड़ाकों से नपिटने की रणनीति तथा इंटरनेट और [सोशल मीडिया](#) के दुरुपयोग का मुकाबला करने में अपने अनुभव साझा कयि ।

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (CSC):

- परचिय:** CSC का गठन वर्ष 2011 में भारत, श्रीलंका और मालदीव के त्रपिकीय समुद्री सुरक्षा समूह के रूप में कयि गया था ।
 - इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पाँचवी बैठक में चौथे सदस्य के रूप में [मॉरीशस](#) शामिल कयि गया ।
 - [बांग्लादेश](#) और [सेशेल्स](#) ने पर्यवेक्षकों के रूप में भाग लयि तथा उन्हें समूह में शामिल होने के लयि आमंत्रित कयि गया ।
- परकिल्पति लक्ष्य:** CSC के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की पाँचवी बैठक ने नमिनलखित पाँच स्तंभों में क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ाने और मज़बूत करने के लयि सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई:
 - सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा
 - आतंकवाद और कट्टरवाद का मुकाबला
 - अवैध व्यापार और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध का सामना करना
 - साइबर सुरक्षा, महत्त्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे और प्रौद्योगिकी की सुरक्षा
 - मानवीय सहायता और आपदा राहत
- महत्त्व:** CSC को क्षेत्रीय सहयोग और साझा सुरक्षा उद्देश्यों को रेखांकित करने के लयि हदि महासागर में भारत की पहुँच के रूप में देखा जा रहा है ।
 - चीन का मुकाबला:** CSC रणनीतिक महत्त्व के क्षेत्र में चीन के प्रभाव को प्रतबिंधित करने तथा सदस्य देशों में चीन की उपस्थिति को कम करने की उम्मीद करता है ।
 - समुद्री सुरक्षा:** भारत के पास रणनीतिक चोकपाँइंट के द्वीपों के साथ-साथ लगभग 7500 किलोमीटर की एक बड़ी तटरेखा है । समुद्री सुरक्षा देश के लयि प्राथमिक है, जसमें CSC महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिता है ।
 - सागर वजिन के साथ तालमेल:** यह समूह भारत के "[सागर: क्षेत्रों में सभी के लयि सुरक्षा और वकिस](#)" और भारत [क्वाड गुरुपगि](#) का सदस्य होने के दृष्टिकोण के अनुरूप है ।
 - उभरते उप-क्षेत्रवाद:** 6 हदि महासागर क्षेत्र के देशों का एक सामान्य समुद्री और सुरक्षा मंच पर एक साथ आना उप-क्षेत्रवाद के वकिस का संकेत देता है तथा यह व्यापक वैश्विक संदर्भ में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिता है ।
- संबद्ध चुनौती:** भले ही छह देशों के रणनीतिक हति [हदि महासागर क्षेत्र \(IOR\)](#) में संरेखित है परंतु चीन के प्रभाव का मुकाबला करने हेतु CSC को एक संस्था के रूप में ढालने का पर्यास [दक्षणि एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ \(SAARC\)](#) को पूरा करना चाहयि ।

आगे की राह:

- क्षेत्रीय सहयोग की आवश्यकता:** सुरक्षा मुद्दों की बढ़ती प्रासंगिकता और अनश्चितताओं को देखते हुए IOR में सहयोग की अत्यधिक

आवश्यकता है।

- CSC के सफल होने की अधिक संभावना है यदि इस क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव से प्रभाव को सीमित करते हुए यह एक समान रणनीतिक दृष्टि बनाए रखता है।
- अपने पड़ोसी देशों के साथ विवाद के बट्टियों से बचने के लिये, भारत को यह स्वीकार करना शुरू कर देना चाहिये कि IOR वैश्विक स्तर पर विकसित हो रहा है।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (पीवाईक्यू)

प्रश्न: हदि महासागर नौसेना संगोष्ठी (IONS) के संबंध में नमिनलखिति पर वचिर कीजथि: (2017)

1. वर्ष 2015 में आईओएनएस का उदघाटन भारतीय नौसेना की अध्यक्षता में भारत में आयोजित किया गया था।
2. IONS एक स्वैच्छिक पहल है जो हदि महासागर क्षेत्र के तटीय राज्यों की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग बढ़ाने का प्रयास करती है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

- हदि महासागर नौसेना संगोष्ठी' (IONS) एक स्वैच्छिक पहल है जो क्षेत्रीय रूप से प्रासंगिक समुद्री मुद्दों पर चर्चा हेतु एक खुला और समावेशी मंच प्रदान कर हदि महासागर क्षेत्र के तटवर्ती राज्यों की नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग बढ़ाने का प्रयास करती है।

स्रोत: पी.आई.बी

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/colombo-security-conclave>

